आयुष की सुविधाओं पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

आज आयुष-2022 का आगाज हो चुका है। आज से इस खंड गांवड़ी के अंदर, जो किसी जमाने में बहुत अविकसित इलाका हुआ करता था और हम जब यहां पर आते थे तो खालो के अंदर कच्चे रास्ते थे, ढलान थी और जंगल थे। हम बहुत मुश्किल परिस्थिति में यहां पर आते थे। यहां के लोगों की श्रमशक्ति, मेहनतकश और ईमानदारी से काम करने वाले दूरदराज के लोग, जो मजदूरी करते थे, छोटा काम करते थे और छोटी नौकरी करते थे, एक अपना घर बन जाए, इस सपने को लेकर किस परिस्थिति में यहां पर वे रहे हैं, उस परिस्थिति को मैंने आँखों से देखा है। लेकिन, आज खंड गांवड़ी बहुत विकसित हो चुकी है। मुझे खुशी है कि यहां पर अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल रहे हैं।

सबसे बड़ी खुशी यह है कि आयुष-2022 के आगाज होने के बाद यहां के सभी लोग स्वस्थ रहेंगे। इसके लिए डॉ. अमित व्यास जी के नेतृत्व में सुपर स्पेशलिस्ट कैंप की शुरूआत हुई है। यहां के अध्यक्ष के नेतृत्व में पूरी टीम है। बिना पूरी टीम के सहयोग के किसी भी कार्य का परिणाम नहीं आ सकता है। लेकिन, यदि मन अच्छा हो, उद्देश्य अच्छा हो और विचार अच्छा हो, क्योंकि जब तक व्यक्ति तन, मन और शरीर से स्वस्थ नहीं रहेगा, तब तक व्यक्ति किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। अपने-आप को स्वस्थ रखना जिन्दगी की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। चाहे कितना भी पैसे वाला करोड़पति या अरबपति हो, यदि वह स्वस्थ नहीं है तो उसके लिए वे पैसे बेकार हैं। गरीब व्यक्ति के लिए तो बीमार होना अभिशाप है, क्योंकि उसका सारा धन उस बीमारी में खर्च हो जाता है और उसकी पूरी जिन्दगी कर्ज में निकल जाती है। इसलिए, आयुष-2022 इसका एक प्रयास है। एक प्रारंभिक जांच है। इस जांच से आपको कोई बीमारी है, बीमारी होने की संभावना है, बीमारी के कुछ लक्षण हैं या उन लक्षणों के बारे में आपको जानकारी नहीं है तो बिना जानकारी के अभाव में या बिना जांच के अभाव में आपकी वह बीमारी बढ़ती जाएगी। एक समय ऐसा आता है कि वह बीमारी बढ़ने के बाद उसका इलाज हो पाना संभव नहीं रह जाता है। यह तो जीवन में भी होता है। व्यक्ति के जीवन में कोई भी घटना हो, कोई भी काम हो, अगर धीरे-धीरे हमने समय उस समस्या का समाधान नहीं ढूंढा तो वह एक बड़ा घाव बन जाता है। यदि समस्या विकराल होती है तो समस्या का समाधान

अपने हाथ में नहीं रहता है। इसलिए, चिकित्सा शिविर सबसे प्रारंभिक रूप से आवश्यक है। महिलाओं में जानकारी के अभाव में, चिकित्सा के अभाव में या धन के अभाव में कई तरह की बीमारी होती है। लोग कई बार जाने में आलस्य के कारण सोचते हैं कि घर पर ही छोटा-मोटा इलाज करा लेते हैं। लेकिन, डॉक्टरों ने कहा नहीं, हम घर में दस्तक देंगे।

आज मेरा यही कहना है कि इस गाँव में बैठे हर व्यक्ति को चाहे वह कितना भी स्वस्थ हो, लेकिन उसको सारी जांच करा लेनी चाहिए, क्योंकि जांच में यदि उसको कहीं अंदेशा भी लगेगा तो उसका इलाज अभी हो जाएगा। इससे उसकी बीमारी नहीं बढ़ेगी। बीमारी नहीं बढ़ेगी तो भविष्य में उसको कोई बड़ा ऑपरेशन या बड़ी बीमारी का इलाज कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह मेरे लिए बहुत चिंता का विषय रहता है। मेरी प्राथमिकता रहती है कि सबसे पहले व्यक्ति स्वस्थ रहे। दुनिया में वह सब कर लेगा, अगर वह स्वस्थ रहा तो और अगर अस्वस्थ रहेगा तो न तो काम में मन लगेगा, घर में भी परेशान रहेगा। जैसे-जैसे बीमारियों का इलाज बेहतर होता जा रहा है, बीमारियां भी नई-नई तरह की होने लगी हैं। आप सोच सकते हैं कि दुनिया के अंदर ऑक्सीजन की कमी से भी लोग मर सकते हैं। क्या आपने कभी ऐसा सुना है? हम सौ साल पहले एक बीमारी की चर्चा करते थे, लेकिन उसमें ऑक्सीजन की कमी की बात नहीं करते थे। अब क्या हो सकता है? दुनिया के अंदर कोई भी लक्षण कभी भी आ जाए। कितने हमारे परिवार के लोग उस समय ऑक्सीजन की कमी की वजह से चले गए।

अब इस वायरस का कोई पता है क्या? ऐसा नहीं है कि वायरस का प्रभाव केवल भारत में हुआ। दुनिया के विकसित देश, दुनिया के वैज्ञानिक शोध के बड़े-बड़े देशों के अंदर भी उस वायरस को नहीं पकड़ पाए और वह वायरस दुनिया के अंदर कोरोना के रूप में फैल गया। जैसे-जैसे इलाज, वैज्ञानिक अनुसंधान बढ़ता जा रहा है, बीमारियां भी अपने नये रास्ते को ढूंढती जा रही हैं। मैं तो कई बार सोचकर दंग रह जाता हूं कि लोग लिखेंगे कि उस समय ऑक्सीजन की कमी की वजह से ही लोग चले गए। दुनिया ने यह पहली बार सुना होगा। केवल एक देश में नहीं, दुनिया के अधिकतम देशों के अंदर ऐसा हुआ। इसलिए मेरा मानना है कि चाहे महिलायें हों, पुरुष हों, नौजवान हों, बुजुर्ग हों, आपके घर में डॉक्टर आएं, आपके दरवाजे पर आएं।

मैं डॉक्टर साहब से भी आग्रह करूंगा कि सामान्य रूप से एक बार एक अभियान चलाना चाहिए कि साल में कम से कम एक बार नहीं तो दो साल में एक बार सामान्य जांचें करा लेनी चाहिए।

बड़े आदमी तो आजकल यही करने लगे हैं, पर छोटा आदमी समझता नहीं है। आज सुबह ब्लड निकालकर ले गया, तबियत सब ठीक है, लेकिन रेगुलर चेकिंग साल में होनी चाहिए। पैरामीटर किसके क्या-क्या कम-ज्यादा हो रहे हैं? हम भी क्यों नहीं एक अभियान बनायें इस तरीके से हर वार्ड के अंदर कि इनका डेटाबेस तैयार करें और डेटाबेस तैयार करने के बाद जो मरीज यहां आएं, उन सबकी जांच हो जाए। उस जांच में से जिनके पैरामीटर थोड़े इधर-उधर हों, उनकी जांच हो और जिनके ज्यादा पैरामीटर्स गड़बड़ हो रहे हैं, उनकी रेगुलर जांच हो। जब तक वे ठीक न हो जाएं, हमारी टीम उनको मॉनीटरिंग में रखे।

चाहे कोटा हो, जयपुर हो, दिल्ली हो, मुंबई हो, उस इलाज को नि:शुल्क कराने की जिम्मेदारी लें। कितनी भी गम्भीर बीमार हो, कितना भी पैसा लगता हो, किसी व्यक्ति को ठीक करने के लिए दुनिया के अंदर किसी भी देश में जाना होगा, तो भी हम इलाज करायेंगे, लेकिन हर व्यक्ति स्वस्थ रहे, यह हमारी जिम्मेदारी है।

ऐसा नहीं है कि लोग कहें कि इसका दिल्ली में इलाज में होने वाला है। पैसा नहीं है। यह मेरी जिम्मेदारी है। आपका काम केवल आइडेंटिफाई करना कि इन बीस लोगों का, पचास या सौ लोगों का इलाज जयपुर में होगा, कुछ का मेडिकल कॉलेज में होगा, कुछ का दिल्ली एम्स में होगा, हम हर व्यक्ति की जांच करायेंगे।

अपनी जांच के पीछे क्या उद्देश्य है, पहले सबसे गम्भीर व्यक्ति को ढूंढना और उसका इलाज कराना। अगर यहां पर कैंसर का इलाज नहीं है तो जयपुर महात्मा गांधी में करायेंगे, दिल्ली में करायेंगे। जहां भी हो सकता है, वहां इलाज करायेंगे। धन का अभाव इलाज में आड़े न आए, हर व्यक्ति स्वस्थ रहे, यही आज का आगाज है। यह 2022 पूरे वर्ष चलेगा, हर वार्ड में चलेगा। हर वार्ड में चलने के बाद सबका डेटा बेस कंप्यूटराइज्ड होगा, आपका पैरामीटर पड़ा रहेगा। जब कभी आपको जरूरत हो तो आपके पास पड़ा रहे कि इसमें दिखाया था, अब डाक्टर साहब मेरा कैसा इलाज है? वह डॉक्टर आपकी मॉनीटरिंग करेगा। चलता फिरता मोबाइल चिकित्सालय भी घूमता रहेगा, जिसमें 27 तरह की जांचें होती हैं। सभी डॉक्टर्स, अमिता व्यास, डॉक्टर रक्षा शर्मा हों, भजन भाग्यवानी, गौरव जैन, गिरिश भार्गव, डॉक्टर पूनम व्यास, डॉक्टर मुकेश गुप्ता, वेदप्रकाश गुप्ता, सिम्बल जी शर्मा, निशा मीणा, चन्दन

सैनी, सौरव मेहता, सुनील संगीत, संजीव कुमार, सुमिता योगी, आर के मीणा, महावीर, डॉक्टर सुशील गोविन्द सिंघल, एक बड़ी टीम आपके यहां पर आई है। सब विशेषज्ञ टीम यहां पर आई है।

मेरा आपसे आग्रह है, सभी कार्यकर्ताओं को इसमें लगाओ, जैसे बोर्ड अपने स्वार्थ के लिए लाते हैं, उससे ज्यादा अपना परमात्मा के लिए जाओगे, तो लोग कहेंगे कि घर-घर आए थे, केवल वोट के लिए नहीं आते, हमें स्वस्थ रखने के लिए आते हैं। हमें हमारी जनता को स्वस्थ रखना है। हम जनता के हर घर में दस्तक देंगे, हर व्यक्ति की जांच कराएंगे। डॉक्टर साहब आपसे मेरा आग्रह है कि इसका पूरा डाटा बना लो और उसमें से जिसका आगे इलाज कराना हो, उसकी लिस्ट बना लो, कोटा में इलाज हो सकता है, जयपुर में हो सकता है तो हमें लिस्ट दे देना।

दिल्ली में होगा तो हमें देंगे, हम यहां से इनको लेकर दिल्ली जाएंगे और दिल्ली में अपने घर ठहराएंगे और जांच करके स्वस्थ कराकर वापस कोटा भेज देंगे।